एक्टिंग के लिए पहले जैसी भूख नहीं रही-राधिका आप्टे



इंडस्ट्री और ओटीटी पर बेधड़क काम करने वाली एक्ट्रेस राधिका आप्टे अपने कई प्रोजेक्ट्स को लेकर चर्चे में रहती हैं। एक्ट्रेस ने अपनी फिल्मों और पर्सनल लाइफ को लेकर कई सारी बातें कीं। बदलापुर, मांझी- द माउंटेन मैन, अंधाधुन, सेक्रेड गेम्स, लस्ट स्टोरीज जैसी अपनी हर फिल्म/सीरीज में अलग छाप छोड़ने वाली अदाकारा राधिका आप्टे का कहना है कि उनमें ऐक्टिंग को लेकर अब पहले जैसी भूख नहीं रही। अपनी नैचरल ऐक्टिंग के लिए मशहूर राधिका जल्द ही महिला प्रधान गैंगस्टर सीरीज अक्का में दमदार रोल में दिखेंगी। इसी सिलसिले में नवभारत टाइम्स से खास बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि उन्हें ऐक्टिंग अब भी पसंद है, लेकिन उसे लेकर अब वो आग नहीं महसूस होती है। इंडस्ट्री में करीब दो दशक बिता चुकीं राधिका आप्टे से जब हमने इतने लंबे समय तक ऐक्टिंग करते रहने के लिए जरूरी भूख को लेकर सवाल किया, तो वह हंसकर बोलीं, मेरी तो खत्म हो गई है। मुझमें ऐसी भूख बची नहीं है और वो अच्छी चीज है क्योंकि उस हंगर (भूख) के चलते बहुत कुछ कर चुकी हूं, जो अब मुझे नहीं करना है। अब ना बोलना आसान हो गया है। हालांकि, ऐसा नहीं है कि मुझे ऐक्टिंग पसंद नहीं है। मुझे अब भी अपने प्रफेशन से प्यार है। मुझे ऐक्टिंग में मजा आता है, पर पहले क्या था कि मुझे हर हाल में ये करना है और ज्यादातर समय फ्री में काम कर रहे हैं। लोगों की मदद कर रहे हैं क्योंकि ये था कि इनके साथ या ये काम करने के लिए कुछ भी करूंगी तो वो चीज अब खत्म हो गई है। चूंकि, हमारे पेशे इतनी अनिश्चितता है कि

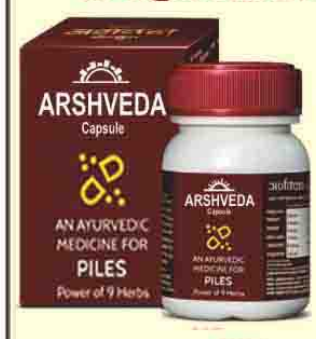
मुझे बाद में अहसास हुआ कि मैं खुद पर इतना दबाव क्यों डाल रही हूं, क्योंकि ये सब करना बहुत मुश्किल होता है। अब जाकर मेरा शरीर वापस पहले जैसा होना शुरू हुआ है। मेरा हार्मोनल लेवल, पीरियड, सब वापस नॉर्मल होना शुरू हुआ है। सोचिए, उसमें दो साल लगे, तो मदरहुड बहुत मुश्किल होता है।

आज काम है, कल काम नहीं है। आपको खुद को रेलवेंट भी रखना है, ऊंचाई पर भी चढ़ना है, तो लगता है कि अगर मैंने उनको ना कर दिया तो क्या होगा? अगर मैंने मना कर दिया और वो फिल्म हिट हो गई तो मेरा क्या होगा? ये सब सोच अब खत्म हो गई है, जो बड़ी आजादी वाली बात है। राधिका दो साल पहले ही मां बनी हैं, तो क्या काम को लेकर बदली इस सोच में मदरहुड का भी हाथ है? इस पर उन्होंने कहा, मदरहुड के बाद निश्चित तौर पर प्राथमिकताएं बदल जाती है। पहले मैं सोचती थी कि ये बहुत ही क्लीशे (घिसी-पिटी) लाइन है और मेरे साथ ऐसा बिल्कुल नहीं होगा। इसलिए, जब मैं मां बनी तो मेरी सोच ये थी कि मुझे अगले हफ्ते काम पर जाना है। मगर अभी मुझे ऐसा लगता है कि अगर मैं दोबारा उस वक्त में लौट सकूं या कभी अगर मेरा दूसरा बेबी हुआ तो मैं ब्रेक लूंगी, क्योंकि यह वक्त है बहुत जल्दी चला जाता है। फिर सब कुछ करने की कोशिश में बहुत बहुत ज्यादा थक जाते हैं। फिर सब कुछ करके आप किसको क्या साबित करना चाहते हैं? अक्का दो ताकतवर महिलाओं की जंग की कहानी है। राधिका ने खुद बतौर महिला कब सबसे ज्यादा ताकतवर या कमजोर महसूस किया? यह पूछने पर उन्होंने कहा, जब भी मैं अपने लिए खड़ी हो पाई हूं और ना बोल पाई हूं, मुझे सबसे ज्यादा ताकत महसूस हुई है और जब भी मैं वो नहीं कर पाई हूं और मेरा यकीन कीजिए, ऐसा बहुत हुआ है। बहुत बार आप हां कर देते हैं, पर घर जाकर नींद नहीं आती और उस वक्त मैं बहुत कमजोर महसूस करती हूं। खुद के लिए खड़े हो पाना आसान नहीं होता है तो जब आप यह कर लेते हैं, बहुत सशक्त महसूस करते हैं। सीरीज में राधिका के साथ साउथ स्टार कीर्ति सुरेश भी मुख्य किरदार में हैं। उनके साथ काम करने के अनुभव पर उन्होंने बताया, कीर्ति बहुत ही जेंटल और सॉफ्ट इंसान है, जबकि शो में उनका किरदार उसके बिल्कुल उल्टा है। वह बहुत ही मेहनती हैं। जैसे हिंदी भाषी नहीं होने के बावजूद उन्होंने अपनी हिंदी पर बहुत मेहनत की, जो मैं शायद कभी नहीं कर पाऊंगी। अगर मुझसे कोई तमिल फिल्म के लिए इतनी मेहनत करने को कहे तो मैं तो कहूंगी कि बाबा, आप किसी और को कास्ट कर लो। मुझमें इतनी मुश्किल चीज सीखने का धैर्य ही नहीं है तो मैं उन लोगों की बहुत कद्र करती हूं जो इतनी मेहनत करते हैं। मुझे भाषा सीखना वैसे भी थोड़ा मुश्किल लगता है तो मैं किसी भाषा को सीखने में मेहनत करने वालों की बड़ी इज्जत करती हूं। वह शो में भी साउथ इंडियन हैं, पर उनकी हिंदी बहुत अच्छी है। राधिका ने यहां हाल ही में टाइगर श्रॉफ पर हुए हमले पर भी अपनी राय रखी। बकौल राधिका, दुनिया में कोई भी ऐसे बंदूक उठाकर किसी को भी शूट नहीं कर सकता। मैं इसके बिल्कुल खिलाफ हूं। मैं हर तरह की हिंसा के खिलाफ हूं। वैसे, राधिका की सीरीज अक्का में भी काफी हिंसा और खून-खराबा है। इस पर वह कहती हैं, मैं हिंसा पसंद नहीं करती हूं। मैं हिंसा देख ही नहीं सकती, मगर इस शो में वैसा वॉयलेंस नहीं है। यह गैंगस्टर की कहानी है तो हिंसा होगी ही, मगर इसमें खून खराबा सिर्फ चौंकाने के लिए नहीं है। ये एक विरासत और ताकत की कहानी है तो उसे बचाने के लिए हिंसा होती है। वहीं, मेरा रोल काफी स्टाइलिश है, जो मैंने पहले नहीं किया।

रोम-रोम में प्रकाशित होने वाली चेतना हैं राम- आशुतोष राणा



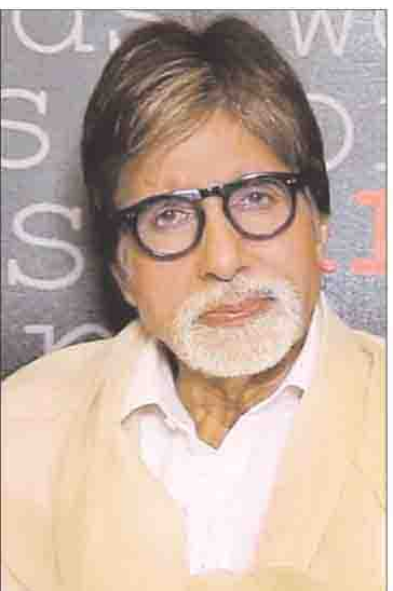
आज जब सब कुछ राममय हो गया है और मुंबई ही नहीं, देश के कोने-कोने में रामलीलाएं मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के जीवन-दर्शन के साथ भक्ति भाव का संचार कर रही हैं, तो राम को समझने और उनके जीवन के गूढ़ अर्थों को जानने के लिए दिग्गज एक्टर आशुतोष राणा से बेहतर कौन हो सकता है! लंबे अरसे बाद हमारे राम नाटक में रावण के किरदार के जरिए रंगमंच पर धूम मचाने वाले आशुतोष ने एक बार फिर अपनी अदाकारी से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया है। तकरीबन तीन दशकों से अपने अभिनय के विविध रंगों से दर्शकों को सम्मोहित करने वाले आशुतोष राणा अभिनय के हर माध्यम में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा चुके हैं। उनसे श्री राम पर हुई बातचीत मेरे लिए महज एक इंटरव्यू नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और आध्यात्मिक अनुभूति का अनूठा अनुभव बन गई। उनसे बात करते हुए महसूस हुआ, जैसे मन के भीतर कोई रोशनी उतर रही हो और बेचैनियों के बीच एक अनोखी शांति आकार ले रही हो। उन से हुई यह बातचीत राम को केवल पूजने की नहीं, बल्कि अपने भीतर पहचानने की एक ऐसी यात्रा है, जो पाठकों को भी आत्ममंथन के लिए प्रेरित करेगी। आपके लिए राम क्या हैं? यह पूछने पर आशुतोष राणा मुस्कुराते हुए कहते हैं, मेरे लिए मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम इस विश्व के प्रत्येक रूप में प्रकाशित होने वाली चेतना हैं। यानी इस धरती पर रहने वाले जितने भी लोग हैं, चर-अचर जीव, जग, अक्षर, नश्वर, मनुष्य, सुजाती और अमर, ये सब राम ही हैं।राम का जन्म अयोध्या में हुआ है। अयोध्या का मतलब क्या होता है? अयुद्ध, यानी जहां युद्ध नहीं होता और जिसे जीता न जा सके। इस नाते हमारा पूरा विश्व ही अयोध्या है। अगर इस नजरिए से देखें, तो राम के जीवन से जुड़े पात्रों के अर्थ भी हमारे जीवन में छिपे हैं। राम की मां कौन हैं? कौशल्या। कौशल्या का अर्थ होता है कुशलता। कुशलता के लिए क्या चाहिए? व्यक्ति का युक्ति-संपन्न होना जरूरी है। कैकेयी का अर्थ है कर्मठता और कर्मठता के लिए क्या चाहिए? शक्ति-संपन्न होना। सुमित्रा का अर्थ है मित्रता और मित्रता के लिए व्यक्ति का भक्ति-संपन्न होना जरूरी है। देखा जाए, तो राम के पिता दशरथ हैं। दशरथ का अर्थ है पांच ज्ञानेंद्रियों और पांच कर्मेंद्रियों से संचालित होने वाला हमारा शरीर। इस तरह प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में दशरथ भी हैं और दशमुख भी। दशमुख यानी वासनाएं, जिन्हें हम रावण कहते हैं। जो भी व्यक्ति दशरथ से निकलकर अपनी वासनाओं पर विजय प्राप्त कर लेता है, वह व्यक्ति रामायण है, राम का घर। जब हमारे भीतर अयुद्ध की स्थिति होगी, तभी हम इसे प्राप्त कर पाएंगे।

खूनी व बादी बवासीर में बेहद असरकारक
अर्शवेदा कैप्सूल
सुविचार


जीवन को जीने का तरीका ही जीवन की सफलता है।
• 100% आयुर्वेदिक • सुरक्षित • असरदार
Customer Care : 9628078000
www.rphealthgroup.com
Also available at TATA 1mg amazon Flipkart



ब्रेक के बाद फिर काम पर लौटे महानायक



बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन एक बार फिर अपने काम पर लौट आए हैं। पिछले महीने डॉक्टरों की सलाह पर आराम करने के लिए उन्होंने काम और सोशल मीडिया से कुछ समय का ब्रेक लिया था। इस दौरान उनकी सेहत को लेकर फैंस के बीच चिंता भी देखने को मिली। अब बिग बी ने लोकप्रिय क्विज शो 'कौन बनेगा करोड़पति 18' के सेट पर वापसी कर ली है। शो के नए प्रोमो में उनकी झलक सामने आई है, जिसमें वह अपने चाहने वालों का शुक्रिया अदा करते हुए नजर आ रहे हैं। दरअसल, सोनी टीवी ने सोशल मीडिया पर केबीसी 18 का नया प्रोमो शेयर किया है। इस वीडियो में अमिताभ बच्चन एक बार फिर शो के मंच पर होस्ट की कुर्सी संभालते दिखाई दे रहे हैं। प्रोमो की शुरुआत में वह सभी को दिवाली की शुभकामनाएं देते हैं। साथ ही अपने घर पर परिवार के साथ त्योहार मनाने की झलक भी शेयर करते हैं। बिग बी कहते हैं, उम्मीद है कि आप सबकी दिवाली बड़ी ही शानदार रही होगी। हमने भी अपनों के साथ दिवाली मनाई, लेकिन... और एक और घर भी तो है। केबीसी का यह मंच। इसके बाद वह शो को अपना दूसरा परिवार बताते हैं। प्रोमो में हॉट सीट पर बैठे एक कंटेस्टेंट अमिताभ बच्चन से उनकी तबीयत के बारे में पूछते हैं। इस पर बिग बी अपने चिर-परिचित अंदाज में पहले कंटेस्टेंट का हालचाल पूछते हैं। जब कंटेस्टेंट बताता है कि वह ठीक है, तो अमिताभ मुस्कुराते हुए कहते हैं, अगर आप ठीक हैं, तो हम भी ठीक हैं।

रिकॉर्ड्स का महाग्रंथ लिख रही रणबीर की फिल्म रामायण

रामायण- राइज ऑफ अ लीजेंड ने 5 नवंबर को सिनेमाघरों में दस्तक दी। फिल्म ने रिलीज के एक हफ्ते में ही 1000 करोड़ रुपये का धांसू कलेक्शन कर लिया है। इतना ही नहीं रिलीज के अभी 10 दिन पूरे भी नहीं हुए और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर 22 रिकॉर्ड्स तोड़ चुकी है। फिल्म ने टिकट बिक्री, कलेक्शन और हिंदी बॉक्स ऑफिस कमाई के मामले में नए बेंचमार्क स्थापित किए। अपने पहले सात दिनों में ही फिल्म ने कई उपलब्धियां हासिल कीं, जिनमें किसी हिंदी फिल्म के लिए सोमवार का अब तक का सबसे ज्यादा कलेक्शन, मंगलवार और बुधवार के रिकॉर्ड आंकड़े शामिल हैं। रामायण ने बुकमायशो पर किसी बॉलीवुड फिल्म के लिए एक दिन में सबसे ज्यादा टिकट बिक्री का रिकॉर्ड बनाया, जिसमें एक ही दिन में 16.60 लाख टिकट बिके। रामायण, बुकमायशो पर लगातार चार दिनों तक 10 लाख से ज्यादा टिकट बेचने वाली छठी भारतीय फिल्म बन गई है। इस उपलब्धि से पता चलता है कि रिलीज के दिन के बाद भी सिनेमाघरों में इस फिल्म की जबरदस्त मांग बनी रही। एडवांस बुकिंग समेत कुल 54.76 लाख टिकट बिकने के साथ, रामायण ने हिंदी फिल्मों के बीच ओपनिंग वीकेंड पर टिकटों की तीसरी सबसे बड़ी बिक्री दर्ज की। रामायण ने किसी भारतीय फिल्म के लिए दुनिया भर में सबसे बड़ी आईएमएएक्स ओपनिंग दर्ज की, जिसमें लगभग 6 मिलियन डॉलर (लगभग 56.25 करोड़ रुपये) की कमाई हुई। दुनियाभर के साथ-साथ इस फिल्म ने भारत में भी किसी भारतीय फिल्म के लिए सबसे बड़ी आईएमएएक्स ओपनिंग दर्ज की। इसकी कमाई लगभग 2 मिलियन डॉलर



(करीब 18.75 करोड़ रुपये) रही। बॉक्स-ऑफिस के आंकड़ों के अनुसार, अपने पांचवें दिन रामायण भारत में एक ही दिन में 100 करोड़ रुपये (नेट) कमाने वाली दूसरी बॉलीवुड फिल्म बन गई। इससे पहले केवल धुरंधर 2: द रिवेंज ने ही यह मुकाम हासिल किया था। रामायण ने सिर्फ पांच दिनों में भारत में 300 करोड़ रुपये (नेट) का आंकड़ा पार कर लिया और ऐसा करने वाली सबसे तेज हिंदी फिल्मों में से एक बन गई। इस फिल्म ने अपने पांचवें दिन भारत में 95 करोड़ रुपये (नेट) की कमाई की, जो किसी हिंदी फिल्म द्वारा सोमवार को की गई अब तक की सबसे ज्यादा कमाई का नया रिकॉर्ड है। रामायण ने मंगलवार को (अपने छठे दिन) भारत में 78.21 करोड़ रुपये (नेट) की कमाई की। फिल्म ने किसी हिंदी फिल्म द्वारा मंगलवार को की गई सबसे ज्यादा कमाई का नया रिकॉर्ड बनाया, और गदर 2 के लगभग 55 करोड़ रुपये के पिछले बेंचमार्क को पीछे छोड़ दिया। रामायण ने बुधवार को (अपने सातवें दिन) भी अपना रिकॉर्ड तोड़ने का सिलसिला जारी रखा और भारत में 61.10 करोड़ रुपये (नेट) की कमाई की। इसके साथ ही, इसने किसी हिंदी फिल्म के लिए बुधवार की सबसे ज्यादा कमाई का रिकॉर्ड बनाया, और पठान के लगभग 55 करोड़ रुपये के पिछले बेंचमार्क को पीछे छोड़ दिया। रामायण के पहले हफ्ते के प्रदर्शन की सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक यह रही कि इसने हफ्ते के लगातार तीन दिनों में कमाई के नए रिकॉर्ड बनाए। फिल्म ने सोमवार को 95 करोड़ रुपये, मंगलवार को 78.21 करोड़ रुपये और बुधवार को 61.10 करोड़ रुपये की कमाई की। रामायण ने अपने पहले सात दिनों में, अपने हिंदी वर्जन से भारत में कुल 409.56 करोड़ रुपये (नेट) की कमाई की। टिकट बिक्री, प्रीमियम-फॉर्मेट स्क्रीनिंग और सप्ताह के दिनों की कमाई में कई रिकॉर्ड बनाते हुए, रामायण ने अपने पहले सप्ताह में शानदार बॉक्स-ऑफिस प्रदर्शन किया। रामायण ने एनिमल को पीछे छोड़ते हुए रणबीर कपूर के करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग-डे रिलीज का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है।

लोग पॉपकॉर्न की जगह ठेकुआ बांट रहे हैं- तमन्ना भाटिया

तमन्ना भाटिया इन दिनों ई फिल्म द वन फोर्स ऑफ द फारेस्ट को लेकर चर्चा में हैं। उन्होंने कहा, मैंने देखा कि लोग थिएटर्स के बाहर चप्पल उतारकर अंदर जा रहे हैं, पॉपकॉर्न की जगह ठेकुआ बांट रहे हैं। दिवाली और दूसरे त्योहार तो स्क्रीन पर खूब दिखे हैं, लेकिन छठ महापर्व को इस तरह पहले कभी नहीं देखा। तमन्ना भाटिया इंडस्ट्री की उन एक्ट्रेसेस में से हैं, जिन्हें बॉलिवुड का लकी मस्कट कहा जाता है। वे अपने निर्माता-निर्देशकों के लिए काफी लकी मानी जाती हैं। इंडस्ट्री में तकरीबन 20 साल बिता चुकी तमन्ना साउथ के बाद बॉलिवुड की भी चाहती अभिनेत्री बन गई हैं। इन दिनों वे चर्चा में यहीं अपनी नई फिल्म द वन फोर्स ऑफ द फारेस्ट से। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई कर रही है और तमन्ना की भूमिका को भी खूब सराहना मिली है। उनसे एक खास बातचीत। बॉक्स ऑफिस पर अपनी फिल्म को मिली कामयाबी को लेकर तमन्ना बहुत खुश हैं। वे कहती हैं, इंटरनेट पर मैंने देखा कि लोग थिएटर्स के बाहर चप्पल उतारकर अंदर जा रहे हैं, पॉपकॉर्न की जगह ठेकुआ बांट रहे हैं। बिहार का ये खूबसूरत कल्चर हमने पहली बार इतने बड़े पर्दे पर देखा है। दिवाली और दूसरे त्योहार तो स्क्रीन पर खूब दिखे हैं, लेकिन छठ महापर्व को इस तरह पहले कभी नहीं देखा। मुझे लगता है कि हमारी संस्कृति और परंपराएं ही वो पल हैं, जो दर्शकों को जोड़ रह हैं। फोकलोर को सिर्फ रेगुलर तरीके से दिखाने के बजाय उसे बड़े स्टाइल में, खासकर फैमिली ऑडियंस के लिए पेश किया गया है। आज हमें एक ही जॉनर की नहीं, बल्कि मल्टी-जॉनर फिल्मों की जरूरत है, जो अलग-अलग तरह के दर्शकों को एक साथ एंगेज करें और जिनका कोर हमारी संस्कृति से जुड़ा हो। इस फिल्म में छठी मैया के गाने और छठ महापर्व को जिस तरह कहानी का हिस्सा बनाया गया है, उसने दर्शकों को बहुत आकर्षित किया।



सशक्त किरदार ही आकर्षित करते हैं-फातिमा सना शेख

फातिमा सना शेख इन दिनों वेब सीरीज हुंकार- द रोर में पुलिसवाली जसलीन के किरदार से सुर्खियां बटोर रही हैं। अपनी बेबाकी के लिए मशहूर एक्ट्रेस बातचीत में कहती हैं कि लड़कियों संग ज्यादती की घटनाएं उन्हें निजी तौर पर डिस्टर्ब करती हैं। वह पर्दे पर भी डरे-सहमे रोल करना पसंद नहीं करतीं। फिल्म दंगल में पहलवान गीता फोगट की दमदार भूमिका से बॉलीवुड में कदम रखने वाली फातिमा सना शेख इन दिनों हुंकार को लेकर चर्चा में हैं। सिनेमा की दुनिया में एक दशक पूरा कर चुकीं फातिमा ने पर्दे पर हमेशा सशक्त लड़कियों को जीवंत किया है। फिर चाहे वह ठग्स ऑफ हिंदोस्तान की वॉरियर प्रिंसेस जाफिरा हो या मॉडर्न लव मुंबई की लालजरी, धक धक की बाइकर स्काई हो या फिर सैम बहादुर में आयरन लेडी इंदिरा गांधी का रोल। 34 साल की फातिमा अपनी नई सीरीज वेब सीरीज हुंकार- द रोर में भी तमाम चुनौतियों के बावजूद, सच का साथ देने वाली एसीपी जसलीन के रोल में हैं। एक बातचीत में फातिमा कहती हैं कि उन्हें मजबूत लड़कियों के किरदार ही लुभाते हैं। डरे-सहमे या नाजुक लड़की के करैक्टर उन्हें पसंद ही नहीं आते। हैदराबाद में पैदा हुईं फातिमा सना शेख ने फिल्मी दुनिया में अपनी शुरुआत चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर की थी। वह कमल हासन के साथ 1997 में चाचा 420 में नजर आईं, फिर शाहरुख खान के साथ वन टू का 4 में। असल जिंदगी में फोटोग्राफी और बाइकिंग का शौक रखने वाली फातिमा अपनी बेबाकी और दो टूक बातों के लिए भी मशहूर हैं। फिर चाहे मिर्गी की बीमारी ही क्यों न हो। एक्ट्रेस ने इस न्यूरोलॉजिकल बीमारी के बारे में जागरुकता बढ़ाने के लिए कई बार अपने निजी अनुभवों के बारे में खुलकर बात की है। पर्दे पर अपने किरदारों के बारे में बात करते हुए वह कहती हैं, मैं आकर्षित ही ऐसे सशक्त किरदारों की ओर होती हूं। मुझे डरपोक या सहमे हुए किरदार पसंद ही नहीं आते। वैसे तो हमें जो चीजें ऑफर होती हैं, उन्हीं में से चुनना होता है, लेकिन ऑटोमैटिकली मेरा रुझान ऐसे ही किरदारों की ओर होता है। नसीब वाली हूं कि मुझे अच्छे किरदार मिले हैं। जैसे, इस शो में मैं पहली बार कॉप का रोल कर रही हूं। साथ ही जसलीन की जो बैकस्टोरी है, वो भी बहुत अपीलिंग है, इसलिए मैंने इसे किया। सीरीज में फातिमा एक धर्मगुरु द्वारा रेप का शिकार हुई एक नाबालिग लड़की को न्याय दिलाने के लिए लड़ती हैं। वहीं, समाज में बिहार के जमुई से लेकर राजधानी दिल्ली तक में लड़कियां ऐसी ज्यादती के खिलाफ लड़ रही हैं। जब फातिमा से पूछा गया कि वह खुद किस सामाजिक बुराई के खिलाफ हुंकार भरना चाहेंगी? जवाब मिला, आपने जैसे कहा कि इस तरह के केसेज बहुत ज्यादा होते हैं। वे कल भी हो रहे थे और आज भी हो रहे हैं। उससे इंसान निश्चित तौर पर डिस्टर्ब होता है। इसलिए, जब ऐसा किरदार निभाने का मौका मिलता है, जहां आप सच्चाई के साथ खड़े हैं। सच्चाई के लिए लड़ रहे हो तो वह सही चीज का प्रतिनिधित्व करना भी होता है। आजकल एक तबके के लोग फेमिनिजम को गलत और समाज को तोड़ने वाला करार देने लगे हैं। फातिमा सना शेख इसे लोगों की नासमझी मानती हैं। उनका कहना है, ये नासमझी है।



टाइगर हमले पर जैकी श्रॉफ ने अपने कान पकड़े और ऊपर आसमान की ओर इशारा किया



जैकी श्रॉफ के बेटे टाइगर श्रॉफ पर हमले के लगभग महीना हो चुका है। 18 अक्तूबर को जब टाइगर मुंबई के एक फुटबॉल ग्राउंड से निकल रहे थे, तब तीन लोगों ने उनकी कार पर गोलियां चलाईं। इस घटना में ड्राइवर समेत दो लोग घायल हो गए। हाल ही में जैकी श्रॉफ अपनी अपकमिंग फिल्म काली खेती के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में पहुंचे। यहां उनसे टाइगर पर हमले के मामले में पूछा गया। हिंदी फिल्म काली खेती के ट्रेलर लॉन्च के दौरान एक रिपोर्टर ने जैकी से टाइगर मामले पर उनकी राय जाननी चाही। मगर जैकी श्रॉफ चुप रहे और इसके बजाय उन्होंने भीड़ की तरफ फ्लाइंग किस दिया। उन्होंने अपने कान भी पकड़े और ऊपर आसमान की ओर इशारा किया। हमले के बाद टाइगर भी काफी हद तक लोगों की नजरों से दूर हैं और उन्होंने कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया है। घटना के दिन अभिनेता की टीम ने एक छोटा सा बयान जारी कर फैंस को टाइगर की सलामती के बारे में बताया था। बयान में कहा गया, टाइगर ठीक हैं। इस घटना के बाद टाइगर के हाथों, बांहों और छाती पर खरोंच, चोट के निशान और बारूद से जलने के निशान देखे गए। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ एक फोटो में, उनकी छाती पर बंधी पट्टी भी दिखाई दे रही थी।